श्याम शरण | By Kundan Akela

क्यों खा रहा है ठोकर चल श्याम की शरण में
मत वक़्त काट रोकर चल श्याम के शरण में
क्यों खा रहा है ठोकर.....

कष्टों को तेरे हरेगा खुशियों से दामन भरेगा
ऐसा दयालु ये दाता है कल्याण तेरा करेगा
तू देख इसका होकर चल श्याम के शरण में
क्यों खा रहा है ठोकर.....

रिश्तों को दिल से निभाता है सोइ उम्मीदें जगाता है
जिसका ना कोई सहारा है ये उसका खुद बन जाता है
जो आता यहाँ खोकर चल श्याम के शरण में
क्यों खा रहा है ठोकर.....

ये हाथ जिसका पकड़ता है फिर वो कभी ना भटकता है
बन जाता जन्मो का साथी ये अपनों का ये ध्यान रखता है
कुंदन चरण को धोकर चल श्याम के शरण में
क्यों खा रहा है ठोकर.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-by-kundan-akela/